नगरी नगरी द्वारे द्वारे ढूंढू सांवरिया

नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे ढूँढूँ रे सांवरिया
कान्हा - कान्हा रट के मैं तो हो गई रे बावरिया

बेदर्दी मोहन ने मोहे फूँका ग़म की आग में
बिरहा की चिंगारी भर दी दुखिया के सुहाग में
पल-पल मनवा रोए छलके नैनों की गगरिया
नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे...

आई थी अँखियों में लेकर सपने क्या-क्या प्यार के
जाती हूँ दो आँसू लेकर आशाएं सब हार के
दुनिया के मेले में लुट गई जीवन की गठरिया
नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे...

दर्शन के दो भूखे नैना जीवन भर न सोएंगे
बिछड़े साजन तुमरे कारण रातों को हम रोएंगे
अब न जाने रामा कैसे बीतेगी उमरिया
नगरी-नगरी द्वारे-द्वारे...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22697/title/Nagari-Nagari-dware-dware-dhhundhhoo-re-sanwariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |